तापमान
अधिकतम 41.4 डिग्री
न्यूनतम 28.7 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 जून 2024

11 तैराकी में जीते 38 स्वर्ण, बने ओवरआल चैंपियन

12 संत कबीर दास के दोहे आज भी प्रासंगिक : तरुण देवीदास

उद्योगों से निकलने वाले दूषित पानी को किया जाएगा शोधित

आईएमटी में 95 करोड़ रुपये से बनेगा सीईटीपी, 185 करोड़ में होगा रखरखाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में औद्योगिक क्षेत्र का लगातार विस्तार हो रहा है। पहले कुंडली, फिर राई, उसके बाद बड़ी और अब खरखौदा में भी औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो चुके हैं। औद्योगिक क्षेत्र के आसपास सबसे अधिक समस्या होती है दूषित पानी की, जिससे निपटने के लिये औद्योगिक क्षेत्रों में कॉमन इफ्लयूंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) लगाया जाता है। जिले में अभी तक कुंडली में सीईटीपी कार्यरत है। वहीं अब खरखौदा में भी सीईटीपी लगने जा रहा है। दूषित पानी को शोधित कर फिर से इस्तेमाल योग्य बनाने वाला यह प्लांट आसपास के क्षेत्र में पानी की समस्या का कारगार उपाय है। खरखौदा में आईएमटी परिसर में स्थापित हो रहे उद्योगों के लिये इस सीईटीपी का निर्माण किया जा रहा है। जिसके लिये बकायदा हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एचएसआईआईडीसी) द्वारा प्रपोजल पास करवाकर टेंडर प्रक्रिया शुरू करवाई जा चुकी है। खरखौदा में बनने वाले सीईटीपी के निर्माण की अनुमानित कीमत 95 करोड़ रुपये आंकी गई है। वहीं इसके रख-रखाव के लिये 185 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। कुल मिलाकर सीईटीपी के निर्माण और 10 साल तक रख-रखाव व मरम्मत के काम के लिये 280 करोड़ रुपये का टेंडर छोड़ा जाएगा। बता दें कि खरखौदा आईएमटी परिसर में उद्योगों को स्थापित किया जा रहा है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला दूषित पानी बड़ी समस्या बन सकता है। इसका निदान करने के लिए एचएसआईआईडीसी की तरफ से सीईटीपी का निर्माण किया जाएगा। दूषित पानी को साफ करने की योजना के पहले चरण में प्रथम फेज के लिए यूनिट तैयार की जाएगी। आवश्यकता अनुसार इसका विस्तार किया जा सकेगा।

■ कुल 280 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया, 10 साल तक करनी होगी देखरेख व मरम्मत

सोनीपत। आईएमटी खरखौदा का फोटो।

32.5 एमएलडी की होगी क्षमता

खरखौदा आईएमटी में प्रस्तावित सीईटीपी को 32.5 एमएलडी की क्षमता का बनाया जाएगा। मतलब ये कि इस प्लांट से रोजाना 32.5 आईएमटी खरखौदा में स्थापित हो रहे उद्योगों से निकलने वाला दूषित पानी भी बर्बाद नहीं होगा। उसे शोधित कर फिर से प्रयोग में लाया जाएगा। ढाई साल में सीईटीपी का निर्माण किया जाएगा। 32.5 न्यूनतम तरल निर्वहन (एमएलडी) क्षमता से बनने वाले सीईटीपी व 10 साल तक उसकी देखरेख व मरम्मत कार्य के लिए 280 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया है। (एचएसआईआईडीसी) की तरफ से टेंडर आवंटित होने के बाद एजेंसी को इसका निर्माण पूरा करना होगा।

आईएमटी एक नजर में

- ▶▶ वर्ष 2013 में आईएमटी के लिए 3217 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था।
- ▶▶ आईएमटी में गुरुग्राम माइनर से रोजाना 27 क्यूसेक पानी की आपूर्ति की जाएगी।
- ▶▶ आईएमटी के 100 किमी क्षेत्र में सीवर व पेयजल लाइन बिछाई जाएगी।
- ▶▶ आईएमटी क्षेत्र में 60, 45, 32, 24, 18, 9 मीटर की सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

क्या होता है सीईटीपी

कॉमन इफ्लयूंट ट्रीटमेंट प्लांट को संक्षेप में सीईटीपी बोला जाता है। जैसे शहरों में एसटीपी लगाया जाता है, वैसे ही औद्योगिक क्षेत्रों में सीईटीपी लगाया जाता है। सीईटीपी का मकसद औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित पानी को साफ करने का होता है। सीईटीपी में तीन स्तर पर पानी साफ किया जाता है। पहले स्तर पर मोटी गंदगी निकाली जाती है, दूसरे स्तर पर पानी से कैमिकल साफ किए जाते हैं। वहीं तीसरे स्तर पर पानी से दुर्गंध निकालकर पानी का रंग साफ किया जाता है। इसके बाद ही औद्योगिक इकाइयों से निकला पानी दोबारा इस्तेमाल के लायक बनाया जा सके।

ढाई साल में बनकर तैयार होगा सीईटीपी

आईएमटी में स्थापित होने वाले उद्योगों की सुविधा को देखते हुए सीईटीपी का निर्माण किया जाएगा। 32.5 एमएलडी क्षमता के सीईटीपी के लिए टेंडर लगाया है। टेंडर आवंटित होने के बाद सीईटीपी ढाई साल में बनकर तैयार होगा। निर्माण कार्य में 95 करोड़ खर्च होंगे और दस साल तक देखरेख के लिए उसी एजेंसी को जिम्मेदारी होगी। ऐसे में कुल 280 करोड़ का टेंडर लगाया गया है।
- आलोक सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक, एचएसआईआईडीसी

पूरी आईएमटी में एक लाइन बिछाई जाएगी

सीईटीपी की क्षमता साढ़े 32 एमएलडी की होगी। एक पाइपलाइन पूरी आईएमटी में बिछाई जाएगी, जिससे इकाइयों को कनेक्शन मुहैया करवाया जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर वह इस शोधित पानी को इस्तेमाल में ला सकें। शोधित पानी निर्माण से लेकर अन्य कामों में इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही शोधित पानी से ही आईएमटी की ग्रीन बेल्ट में सिंचाई की जा सकेगी।

बारिश के दौरान पानी ज्यादा होने पर थाना कलां स्थित ड्रेन में छोड़ा जाएगा। इससे आईएमटी से निकलने वाले पानी की समस्या का निपटारा भी हो जाएगा।

खबर संक्षेप

खुबड़ू में करंट लगने से दो भैंसों की मौत

गन्नौर। गांव खुबडू में बिजली का करंट लगने से दो भैंसों की मौत हो गई। पशुपालक ने करंट लगने से भैंसों की मौत के बाद बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। चौंकी खुबडू झाल पुलिस ने शिकायत के बाद मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में खुबडू गांव के पशुपालक रामचंद्र ने बताया कि वह खेती-बाड़ी का काम करता है। 20 जून की शाम पाँच बजे अपनी भैसों को पानी पिलाने तालाब में ले गया था। भैंस भागकर शमशान घाट में चली गई, वहां पर लटके हुए तार से करंट लगकर मेरी 2 भैसों की मौत हो गई। शिकायत के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पेड़ से लटका मिला अज्ञात वृद्ध का शव

खरखौदा। सिसाना-गोहाना मार्ग पर आठ नंबर ड्रेन पर एक पेड़ पर अज्ञात वृद्ध का शव लटकता हुआ पाया गया। पुलिस ने मौके पर जाकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है। जिसकी पहचान के लिए लोगों से मदद ली जा रही है। रविवार को करीब 1 बजे ग्रामीणों ने वृद्ध के शव को पेड से लटका हुआ देखा, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पेड़ से उतरवाया और अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

खेत में मामा-भांजे को पीट कर किया घायल

खरखौदा। खांडा गांव में खेत में पानी देने गए मामा भांजे को हमलावर लोगों ने लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में दोनों को पीजीआई खानपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहित ने बताया कि वह अपने मामा सोनू के साथ खेत में पानी देने के लिए गया हुआ था। इस बीच राकेश वहां पर खेत पर आ गया और गाली गलौच करने लगा। इसके बाद उसने फोन करके साहिल, हर्ष ,अमन व अन्य 4- 5 लोगों को वहां बुला लिया। सभी लोगों ने उसे व उसके मामा को लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया। इसके बाद हमलावरों ने उसकी एक सोने की अंगूठी, 5000 रुपए छीन लिए और फोन तोड़ दिया। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए पीजीआई खानपुर ले जाया गया है।

अवैध शराब के साथ युवक किया गिरफ्तार

खरखौदा। पुलिस ने गोरड़ गांव से एक युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान एक युवक अपने सिर पर एक प्लास्टिक का कट्टा लेकर आता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर लौटने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर प्लास्टिक के कट्टे की जांच की तो 21 बोतल देसी शराब बरामद हुई। युवक की पहचान ईश्वर गोरड के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, विज्ञान सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चे जिनकी आयु 31 जुलाई को 5 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक हो, को वर्ष 2025 के जनवरी माह में होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी। बाल पुरस्कार को दो श्रेणियों नामतः बाल वीरता पुरस्कार व बाल उत्कृष्टता पुरस्कार में विभाजित किया गया है।

नशे में रॉड मारकर साथी की हत्या

गन्नौर। बड़ी उद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिक ने शराब के नशे में अपने साथी की रॉड मार कर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। 48 वर्षीय मृतक काशी राम बस्ती यूपी का रहने वाला था। फेक्ट्री में रह रहे श्रमिको ने मामले की सूचना बड़ी थाना पुलिस दी। सूचना मिलने के बाद बाद बड़ी थानां प्रभारी युद्धवीर सिंह मौके पर पहुँचे ओर शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गए। जानकारी देते हुए बड़ी थाना प्रभारी युद्धवीर सिंह ने बताया कि काशी राम बस्ती यूपी का रहने वाला है। काशी राम पिछले 14 वर्षों से बड़ी उद्योगिक क्षेत्र के प्लाट नम्बर 655 में काम करता है। उसके साथ फैजाबाद यूपी का रहने वाला बाल कृष्ण भी काम करता है। वह दोनो फेक्ट्री में बने कमरे में रहते थे। रविवार की दोपहर को दोनो कमरे में बैठ कर शराब पी रहे थे। इस दौरान दोनो में कहा सुनी हुई और झगडॉ हो गया। काशी राम ने चाकू निकाल कर बाल कृष्ण को मारा। चाकू बाल कृष्ण के हाथ पर लगा। जिस वजह से वह घायल हो गया। इसके बाद काशी राम उठ कर भागने लगा। काशी राम ने उसका पीछा किए और लोहे की रॉड उसके सिर पर दे मारी। बाल कृष्ण ने लगातार रॉड से कई हमले किये। घायल को उसके साथियों ने गन्नौर उपमंडल हॉस्पिटल के दाखिल कराया, जहा डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बड़ी थानां प्रभारी युद्धवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल हॉस्पिटल भेज दिया। सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जॉयगा और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। फिलहाल पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों की तरफ से जो शिकायत मिलेगी उसके बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

बड़ी उद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्री में वारदात

श्रीमद्भागवत गीता में सब समस्याओं का निदान : जांगड़ा

■ राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा भागवत कथा में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शनिवार की शाम को राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि जीवन की कोई भी ऐसी समस्या नहीं है जिस का समाधान श्रीमद्भागवत गीता में निहित न हो। वह पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में स्थित सनातन धर्म मंदिर शिवाला मस्तनाथ में इस समय चल रही भागवत कथा में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। सांसद ने इससे पहले नई अनाज मंडी में राज्य स्तर के कबीर जयंती समारोह में शिरकत की। शिवाला मस्तनाथ में भागवत कथा मंदिर के अध्यक्ष प्रवीण गोयल की अध्यक्षता में जारी है। कथा के वाचन के लिए वृंदावन धाम से कथा व्यास विजय कृष्ण आए हुए हैं। भागवत कथा का मेजबान चार्टर्ड एकाउंटेंट विनोद गोयल का परिवार है। यजमान वह और उनकी पत्नी प्रियंका गोयल, पिता रोशन लाल गोयल और मां सरोजबाला गोयल हैं। संयोजन उनके छोटे भाई और मंदिर के कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल कर रहे हैं।

भागवत कथा में राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के साथ नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन सुनील मेहता और कश्यप महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुंदर कश्यप भी पहुंचे।

गोहाना। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जागड़ा आयोजकों के साथ। फोटो : हरिभूमि

रेत से भरे डंपर रोके, खनन कंपनी के कर्मियों को पीटा

■ घायल कर्मचारियों को करवाया अस्पताल में भर्ती, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव मुरथल के पास तीन युवकों ने खनन कंपनी के रेत से भरे डंपर रोक लिये। खनन कंपनी के कर्मचारियों ने विरोध जताया तो उनको पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खनन कंपनी के इंचार्ज कुलदीप ने पुलिस को बताया कि दो युवकों संग खनन कंपनी पर थे। वह बाइक पर सवार होकर मुरथल की तरफ जा रहे थे कि उन्होंने देखा कि गांव बख्तावरपुर के पास तीन युवक रेत से भरे डंपर रोक रहे थे। जब उन युवकों को डंपर रोकने से मना किया तो मुरथल गांव के रहने वाले युवक ने उन्हें अपनी ओर खींच कर चेहरे पर अपने सिर से चोट मारी। वह जमीन पर गिर गए। इसके बाद उसने गांव के ही रहने वाले अन्य युवकों ने मारपीट की।

युवक जान से मारने की धमकी देकर फरार

उन्होंने शोर मचाया तो उनके दोस्त उन्हें बचाने आए। आसपास के लोग भी वहां आ आ गए। इसके बाद युवक उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। बाद में उनके साथी उन्हें शहर के निजी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर गए। जहां उन्हें उपचार दिया गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

41 दिन की तपस्या के बाद लगाया भंडारा

■ आसपास के गांवों के काफी संख्या में पहुंचे लोगों ने प्रसाद किया ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव राजलू गढ़ी में रेलवे स्टेशन के समीप बाबा प्रेमनाथ की समाधि स्थल पर 41 दिन की तपस्या पूरी होने के बाद तपस्वी बाबा सुशील नाथ महाराज द्वारा हवन यज्ञ कर विशाल भंडारा लगाया गया। भंडारे में आसपास के गांव के काफी संख्या में पहुंचे लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। तपस्वी बाबा सुशील नाथ महाराज ने कहां की तपस्या के दौरान ग्रामीणों ने उनका जो सहयोग किया उसे वह हमेशा याद रखेंगे। सभी ग्रामीणों के सहयोग से तपस्या स्थल के पास विशाल भंडारा लगाया गया है। उन्होंने बताया कि वह गर्मी में अग्नि के धुनों के बीच व सर्दी में ठंडा पानी के मटको से तपस्या करते हैं।

तपस्या के दौरान क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की मनोकामना करते हैं। भंडारे में मन्नत ग्रुप आफ होटल के चेयरमैन व समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने पहुंचकर बाबा सुशील नाथ का आशीर्वाद लिया। भंडारे में गांव के युवाओं व लोगों ने अपनी सेवाएं दी। देवेंद्र कादियान ने संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों से लोगों में आपसी भाईचारा व प्रेम की भावना बढ़ती है। इस तरह के धार्मिक कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए। भंडारे के दौरान धार्मिक भजनों का भी आयोजन हुआ।

गन्नौर। तपस्या के बाद लगाए गए भंडारे में बाबा सुशील नाथ महाराज श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण करते हुए।

युवक पर लगाया मारपीट कर दुष्कर्म करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

राई क्षेत्र स्थित एक संस्था की रहने वाली युवती ने खरखौदा क्षेत्र के युवक पर मारपीट करने के साथ ही दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती ने मामले की शिकायत खरखौदा पुलिस को दी है।

युवती के बयान पर पुलिस ने आरोपी युवक व उसकी बहन के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

युवती ने पुलिस को बताया कि वह राई क्षेत्र के एक संस्था में रहती थी। जहां उनका पालन-पोषण हुआ। सितंबर, 2023 में बालिग होने पर उसे खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव के भाई-बहन अपने साथ घर ले आए। उसे युवक मनीष ने शादी करने की बात कही थी। ऐसे में वह कई महीनों से उनके पास ही रह रही थी। युवती का आरोप है कि मनीष व उसकी बहन ने बाद में उनके साथ मारपीट करने लगे व गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। युवती ने मनीष पर उसके साथ मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाने के भी आरोप लगाए हैं।

अब वह शादी भी नहीं कर रहे हैं। परेशान होकर युवती ने मामले की शिकायत खरखौदा थाना में दी है। जिस पर पुलिस ने दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

वार्ड नंबर 4 में सेक्टर 15 स्थित गोकुल पार्क का मेयर निखिल मदान ने किया दौरा

निगम क्षेत्र में विकास कार्यों की बढ़ेगी रफ्तार : मदान

■ सौंदर्यीकरण और मरम्मत के कार्यों का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मेयर निखिल मदान ने कहा कि आने वाले दिनों में नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ़्तार बढ़ेगी, लंबित पड़े सभी विकास कार्यों को तय समय में पूरा किया जायेगा। इस विषय में निगम अधिकारियों द्वारा की गई किसी भी प्रकार की लेट लतीफी और लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मेयर निखिल मदान रविवार को सेक्टर 15 के गोकुल पार्क में पहुंचे थे। जहां उन्होंने पार्क में चल रहे सौंदर्यीकरण और मरम्मत के कार्यों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की जन समस्याओं को सुना। इस दौरान निगम पार्षद बबिता कौशिक सहित संबंधित निगम अधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। पार्षद बबिता कौशिक ने बताया की आज मेयर निखिल मदान, निगम अधिकारी, संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में गोकुल पार्क में होने वाले कार्यों पर चर्चा हुई है। जिसमें लोगों ने पार्क की चार दीवारी की मरम्मत, झूले और जिम लगवाने, मुख्य दरवाजे की मरम्मत जैसे मुख्य कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाने की मांग रखी है। साथ ही रात्रि के समय अंधेरा होने के कारण हाई मास्ट लाइट लगवाने, नए पेड़ पौधे लगवाने और पार्क का सौंदर्यीकरण किये जाने की मांग भी शामिल है। उक्त सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए मेयर निखिल मदान ने निगम अधिकारियों और एजेंसी के लोगों को मौके पर ही आदेश दिए है। इस दौरान पार्षद बबिता कौशिक, निगम के कनिष्ठ अभियंता अंकुर शर्मा, त्रिभुवन कौशिक, खेम चंद, कृष्ण कुमार, अनिल गोयल, राम कामरा, मनोहर लाल, प्रभा दास, शिव छाबड़ा, भगवान दास, एसके आहूजा आदि लोग मौजूद रहे।

सोनीपत। जन समस्याओं को सुनते हुए मेयर निखिल मदान।

सोनीपत। पार्क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते मेयर निखिल मदान, साथ में पार्षद बबीता कौशिक व अन्य।

2.50 करोड़ से 33 पार्कों का होगा सौंदर्यीकरण

सोनीपत। वार्ड 4 के सेक्टर-15 में पार्कों के सौंदर्यकरण के कार्य का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ अवसर पर मेयर निखिल मदान एवं वार्ड 4 की निगम पार्षद बबीता कौशिक मौजूद रहे। पार्कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए मेयर निखिल मदान ने कहा कि इस कार्य के लिये पार्षद बबीता कौशिक ने सदन की बैठक में प्रस्ताव रखा था। पार्कों की हालात को भी बताया था, जिसके बाद पार्कों के सौंदर्यकरण के लिये बजट पास किया गया है। इस मौके पर पार्षद बबीता कौशिक ने बताया कि सेक्टर में 33 पार्कों के सौंदर्यकरण के लिये कुल 2.50 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। निगम के तत्वावधान में काम करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्कों में सुविधाएं मिलेंगी तो लोगों को भी फायदा होगा।

अगवानपुर में दंपति के झगड़े में मासूम घायल

गन्नौर। अगवानपुर गांव में पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े में पति ने ढाई वर्षीय अपने ही बच्चे को लाठी मारकर घायल कर दिया। परिजनो ने घायल बच्चे को खनापुर मेडिकल में दाखिल कराया। जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल बच्चे की दादी ने मामले की शिकायत गन्नौर थानां पुलिस को दी है। शिकायत में अगवानपुर निवासी रिहाना ने बताया कि 22 जून को उसका भतीजा सुनील अपनी पत्नी फरीदा के साथ मारपीट कर रहा था। इस दौरान फरीदा बचने के लिए उनके घर आ गई। सुनील भी उसके पीछे आ गया और आते ही लाठी उठा कर उसे पीटने लगा। इस दौरान लाठी उसके ढाई वर्षीय पोते विवान को लगा। जिस कारण विवाह घायल हो गया। सुनील उसे व अपनी पत्नी को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। गन्नौर थाना प्रभारी सतेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस में सुनील के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनजीवन के दृश्यों को महत्व

रेनू व हिमानी के चार चित्रों में प्रकृति सुषमा के साथ-साथ जनजीवन के दृश्यों को महत्व दिया है। प्रकृति व संस्कृति का अद्भुत तालमेल होता है। यहीं सामंजस्य इन बाल कलाकारों ने अपने चित्रों में दिखाया है। अनुराधा, रितू, सीमा व सूरजमुखी ने अपने चित्रों में हमारे समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ रंगों के माध्यम जंग लड़ी है। इससे पता चलता है कि समाज में कोढ़ की तरह फैली बुराइयां इन्हें कौंधती हैं। बाल कलाकार सीमा प्रकृति प्रेमी है। उसने एक चित्र में सूर्योदय के समय टहनी पर बैठा पक्षी युगल जैसे सुख-दु:ख की बातें कर रहा हो, बनाया है।

बच्चों की कूची से निकले मुंहबोलते संदेश

बालमन सामाजिक समस्याओं को लेकर संजीदा रहते हैं। जब उन्हें इस पर अपनी इच्छा से अभिव्यक्ति की आजादी दी जाती है तो वे लेखन या चित्रों के माध्यम में वे तस्वीरें उकेर देते हैं जिनकी कई बार बड़े कल्पना भी नहीं रि सकते। पेंटिंग भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है जो दर्शक को भीतर तक झकझोर कर रख देता है।

कला | डॉ. सुमन कादयान

कला के शिखर पर पहुँचने के बाद विश्व विख्यात चित्रकार पिकासो ने कहा था, 'मैं किसी भी बड़े कलाकार की नकल कर सकता हूँ, किन्तु बच्चों की कला की नकल नहीं कर सकता।' उन्होंने यह इच्छा भी जाहिर की थी कि मैं बच्चों जैसे चित्र बनाना चाहता हूँ। पिकासो की इस इच्छा से ज्ञात होता है कि पिकासो बच्चों को साधारण चित्रकार नहीं मानते थे और वो यह भी समझते थे कि बिना किसी दबाव या प्रभाव के, नितांत मौलिक ढंग से चित्र बनाना बालमन से ही सम्भव है। बच्चों द्वारा खेल-खेल में सृजित चित्रों को बाल चित्रकला के अंतर्गत रखते हैं। उनके द्वारा चित्रित कलाकृतियां कई मायनों में उल्लेखनीय होती हैं।

बच्चों द्वारा बनाए चित्रों के पीछे भी एक तार्किकता होती है तथा इसके मनोवैज्ञानिक अध्ययन से उनकी मनोवृत्ति का स्पष्ट आभास मिल सकता है। यह सत्य है कि बच्चों में ड्राईंग के प्रति स्वाभाविक रुझान होता है। जब बच्चों में चित्र बनाने की बात छेड़ी जाए तो उनमें अनायास ही उत्साह आ जाता है तथा चित्र बनाने के लिये लालयित हो जाते हैं। चित्र बनाते समय उन्हें आनन्दानुभूति होती है। नई स्फूर्ति जागृत होती है। ऐसा माना जाता है कि बालक के अपरिपक्व मस्तिष्क में जो विचार कौंध रहे होते हैं अथवा जो भावनाएं उनके अंतर्मन को किसी एक क्षण में आंदोलित कर रही होती हैं, रेखाएं उसके हाथ उन्हीं का आकर लेगी।

देशभक्ति के भाव जगाते चित्र

ग्यारहवीं कक्षा की खुशी एक कुशल चित्रकार है। उसने शहीद भगत सिंह, छत्रपति शिवाजी के सुन्दर चित्र बनाए हैं जो देशभक्ति के भाव जगाते हैं तो वीरता का एहसास करवा रहें है। एक चित्र में श्रीमद्भगवत गीता के महत्त्व व हमारे जीवन पर उसके प्रभाव को खूबसूरती से दिखाया है। एक अन्य चित्र में दिखाया है कि सिगरेट का धुआं जीवन को काला करके जीवन में खुशहाली के समस्त रंग गायब कर देता है। नौवीं कक्षा की मोनिका ने सूर्योदय-सूर्यास्त के समय का स्वर्णिम वातावरण तथा बसन्त के इन्द्र धनुषी रंग कुशलता से चित्रित किए हैं।

अनदेखी

पटाखे बजाना शान समझते हैं लोग, जहरीली हो रही शहरों गांवों की आबोहवा

कब्जा

अपने कुछ देर के शौक के लिए ऐसे लोगों का दम घोट देते हैं, जिनको सांस की बीमारी है

चित्रों में अभिव्यक्ति की तार्किकता

बाल चित्रकारों के मन पर आसपास के वातावरण का प्रभाव भी पड़ता है। जो बच्चा देखता है, भोगता है या महसूस करता है उसे अपने चित्रों में स्थान देता है। हालांकि बच्चों की चित्रकारी के मुख्य विषय पेड़ पौधे, चिड़िया, बिल्ली, चूहा, पहाड़, झरने, पतंग, झूले, तितली, बादल, फूल आदि होते हैं, किन्तु थोड़ी परिपक्वता आने पर बच्चा या किशोर पूरे परिवेश को जानने, समझने लगता है। उसकी यही परिपक्वता उसके चित्रों में आने लगती है। वह सामाजिक बुराइयों, आडम्बरों, बढ़ते प्रदूषण, छल-कपट को अपने चित्रों के विषय बनाकर उनके खिलाफ लड़ना आरम्भ करता है, तो पर्यावरण सरंक्षण पर गम्भीरता से सोचता है। बच्चों के चित्रों में उनकी अभिव्यक्ति झलकती है। ऐसी ही अभिव्यक्ति की झलक, पर्यावरण व भटकते हुए समाज की चिन्ता पिछले दिनों छात्राओं द्वारा बनाई पेंटिंग प्रदर्शनी में देखने को मिली। बाल व किशोर कलाकारों द्वारा बनाए चित्र मात्र रंग-ब्रुश, स्कैट या मोम रंगों से बनाए चित्र भर नहीं थे, बल्कि इन चित्रों को बनाते समय छात्राओं ने गहरे विवेक, बेहतरीन सोच व कला दक्षता का प्रमाण दिया है। इन चित्रों को बनाने के पीछे छात्राओं की सकारात्मक सोच, समाज व पर्यावरण की चिन्ता साफ झलकती है। चित्रों को देखने, परखने पर ज्ञात होता है कि वो समाज से बुराइयों को उखाड़कर अमन-चैन, समानता, भाईचारा चाहती हैं। वो प्रदूषित नहीं बल्कि साफ-सुथरा व हरा-भरा वातावरण चाहती हैं। ये कलाकार नहीं चाहते कि हम जिस समाज में रहते हैं वो कुण्ठित, नकारात्मक, द्वेषी, स्वार्थी हो। इन बाल व किशोर चित्रकार छात्राओं के चित्र गहराई से देखते हैं तो बड़ों को भी सोचने-समझने पर मजबूर कर देते हैं।

प्रकृति की सत्ता के दर्शन

बारहवीं कक्षा की छात्रा करिश्मा द्वारा बनाए कई चित्रों में प्राकृतिक सौन्दर्य कुदरत का करिश्मा, प्रकृति की सत्ता को दर्शाया है। एक पेंटिंग में गहरे जंगल के बीच से बहती नदी से एक बाघ पानी पीकर अपनी प्यास मिटा रहा है। बाघ पानी पीता-पीता नदी में तैर रही दो बड़ी बत्तखों को भी देख रहा है। जंगल के बीच से हरे पड़ों के ऊपर नीले आसमान में कुछ बादलों के झुण्ड दिखाई दे रहे हैं। जैसे वे जल्दी ही पूरे आसमान में छाकर पानी बरसा कर पूरे जंगल की प्यास मिटाने की तैयारी कर रहे हैं। नदी के पानी में पेड़ों व बादलों का सुन्दर बिम्ब आकर्षण पैदा कर रहा है।

नशे से दूर रहने के संदेश

एक अन्य छात्रा सुशीला ने एक शहर की बहुमंजिला कंकरीट की इमारतें, सड़क पर वाहनों की भरमार तथा उनसे निकलने वाला जहरीला धुआं दम घोटता दिखाया है। किशोर कलाकार ने दिखाया है कि बढ़ती इमारतों के कारण जंगल कम हो रहे हैं। पीने का पानी भी जहरीला व कम हो रहा है। लाल रंग से बनाया आसमान खतरे का संकेत है। कलाकार ने पानी बचाने की प्रेरणा भी दी है। दूसरी पेंटिंग में नशे के दुष्परिणाम को दर्शाया है कि जो नशा करता है उसका मान-सम्मान, धन, स्वास्थ्य सब कुछ प्रभावित होता है तथा परिवार को भी भुगतना पड़ता है। बारहवीं कक्षा की ही छात्रा पूनम ने भारी जंगलों से लदे पहाड़ों के सामने बनी प्राकृतिक झील में छोटे से टापू पर एक नव युवती पत्थर पर बैठी प्राकृतिक सुषमा का रस-पान कर रही हैं। ठण्ड का एहसास करने के लिए पैर पानी में डुबाए हुए है। दोनों ओर भारी जंगल, फूलों से लदी जंगली झाड़ियां, दूसरी ओर साफ नीले पानी की झील तथा पीछे ग्लेशियरों से अटी पड़ी पर्वत चोटियाँ चित्र को सुन्दरता व आकर्षण पैदा कर रहे हैं। जंगल के आगे मादा जेबरा व उसका बच्चा निश्चिंत खड़े दिखाए हैं। एक अन्य पेंटिंग में कुछ कटे हुए, कुछ सूखे हुए पेड, काले रंग में दिखाए हैं। जमीन पेड़ो के बिना बन्जर, धूसर,लाल-पीले रंग में दिखाई है। इसका असर आसमान पर भी नजर आ रहा है।

कविता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
अब दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझसे मुंह मोड़ने लगी हैं।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
कुछ ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का कर्ज उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
तो लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।
तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।
खौफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।
दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।
खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा,
शोहरत मलबे में दब जाएगी,
रुतबा बिखर जाएगा,
जमीनें भी लूट ली जाएंगी।

रागनी | राजपाल सिंह गुलिया

धूणे पै ज्यूँ साधू तपता,
न्यूँ याह तपती धरती.
आज हवा भी तपी-तपाई,
मरण मारण न फिरती।

रूँख खड़े ये तपैं घाम मैं,
सिर नीचे न करकै.
जबरे आग्गै हीणा कोए,
खड़्या हुया ज्यूँ डरकै.
धूप आज याह दिन धौली में,
खड़ी बरू नै चरती।

फिरैं देख ल्यो ढोर तिसाए,
नहीं झोड़ मैं पाणी.
पेड़ काटण नै कह तरक्की,
दुनिया याह गिरकाणी.

घर तैं भार लिकड़ते लू भी,
छुरी नाड़ पै धरती.

खबर छपी सै और पड़ैगी,
कुछ दिन दबकै गरमी.
नौतपे मैं योह सूरज देवता,
बरतै कोन्या नरमी.
सूरज नै किरणां की लागै,
नई करी सै भरती।

सूरज बाबा दया करो कुछ,
जी लिकड़ण नै होर्या.
पेड़ काट कै माणस अपणी,
इस करणी पै रोर्या
इसी गरमी कदे देख्यी ना,
लाग्यी कहण सुमरती।

गीत | भूपसिंह 'भारती'

गर्मी का महीना

गर्मी का महीना लू चालै घणघोर।
जेठ मास म्ह गर्मी, दिखलावै अपणा जोर।।

सूख गए सब, ताल तलैया,
ये पंछी मवेशी, प्यासे भैया,
प्यासी धरती मैया, अर प्यासा मरता मोर।

घाम पड़ै यो, चाम जळावै,
ऐडी चोटी लग, पसीनो आवै,
सबनै भोत सतावै, ना दीखै कोई ठोर।

सूरज का भई, देख तरारा,
फूंक दिया, सुख चैन हमारा,
दोषी सा हम सारा, ना दोषी कोई और।
ग्लेशियर भी, पिंघलण लागे,
फूटै भाग जै, इब नहीं जागे,
फेर बुरी हो म्हारै सागै, जै करी नहीं रै गोर।

गर्मी से बचने का, इलाज सै एक,
पेड़ लगाओ, घर घर म्ह अनेक,
कहै 'भारती' देख, बात ना करनी या इग्नोर।

कविता | अन्नू प्रिया

वापस हम नहीं आते

जिन रिश्तों के बिना रह नहीं सकते
उन्हें जरा सी बात लिए रुलाया नहीं करते
जिनके बिना जिंदगी अधूरी लगे
उनकी बातों को जाया नहीं करते

जायज नहीं हरवक्त उन्हें सताना
किसी दिन उनके रुठ चले जाने पर
शायद फिर रिश्तों में आया नहीं करते
ये कसम और वो वादे भी वहीं जाते
जब दिल से लोग उतर जाया करते।

कमियों की दुकान रह जाते हैं रिश्ते
हर गम अपने दिल का, दिल में रखते
हर किसी को बताया भी नहीं करते।
हलक पर आवाज जब सच नहीं बोलते
तो चुप्पियों से जज्बातों के मंजर बदलते
समंदर के तूफान की तरह, बस शांत हो जाते।

कुछ भी न रहा रिश्तों में जब वो फिर आते
तो फिर वो मुझ पर हक क्यों जताते
सोचते हैं जोड़ तोड़ छोड़ में रिश्ते आजमाते
पता नहीं उन्हें, छोड़े हुए रिश्तों में वापस हम नहीं आते।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

दहलीज

किसी के घर में अनहोनी हो गई। घर की इज्जत तार-तार हो गई। सब लोग दहलीज की दुहाई दे रहे थे। उसी समय घर के दरवाजे ने एक तरफ पड़ी पुरानी दहलीज से पूछा, 'आजकल लोग तुम्हारी मर्यादा भूल गए हैं ...किसी को तुम्हारी इज्जत की परवाह नहीं है। जो चाहे वो तुझे अमर्यादित तरीके से पार कर जाता है...ऐसा क्यों?
'दहलीज ने जवाब दिया, 'आज दहलीज ही कहाँ रही है घरों में ...जब दहलीज ही नहीं तो कैसी मर्यादा या अमर्यादा।'
'वो कैसे?' दरवाजे ने पूछा।
'वो ऐसे कि खुद के नीचे झांक कर देख...है कहीं दहलीज..।' दहलीज ने दु:खी मन से जवाब दिया।

कविता | लवली आनंद

दुनिया का रंग

मुझे दुनिया के रंग
में रंगना नहीं आया,
मुझे दुनिया के ढंग
में ढलना नहीं आया,
समय से चूक कर मैं
बेमौत मारी गई कई बार,
मुझे सूरज की भाँति
ढल कर बस निकलना
ही आया हर बार,
दुःख आया और
दुःख के बाद सुख भी
आया हर बार
पर दुःख में रोना नहीं आया
एक भी बार,
दुःख आते गए दुःख के साथ
संघर्ष भी बढ़ता गया पर
संघर्ष में उफ्फ कर
के भागना नहीं
आया एक भी बार,
बहुत साथी मिले फिर
बिछड़ भी गए जो गए
सो गए मैं उन्हें मुड़ कर
देखी
न एक भी बार,
अब उन सबका
समय ही हिसाब करेगा..

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहल | **सौ मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे**

उम्र के आखिरी पड़ाव में भी प्रेरणास्रोत बने रामस्वरूप

गौरव

70 वर्षीय पत्नी शांति भी गौरव महसूस कर रही हैं

गुर

41 वर्षीय बेटे को भी गुर सीखने शुरू किए

परख

प्रतियोगिताओं में बेटे की प्रतिभा की परख कर रहे

जज्बा | दलबीर सिंह भूना

हसंगा गांव के 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा आज देशभर में लोगों के लिए उदाहरण हैं कि उम्र चाहे जो भी हो अगर हौसले बुलंद हैं तो दूसरों का मोहताज नहीं होना पड़ता, बिना एथलेटिक्स कोच के आज वह अकेले ही आत्मनिर्भरता के साथ एथलेटिक्स खेलों में प्रतिद्वंद्वी प्रतिभागियों को पछाड़ रहे हैं। रामस्वरूप कुकणा ने मुंबई मैराथन 2024 में 42 किलोमीटर की फुल मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान 3 घंटे 39 मिनट 9 सेकंड में दौड़ पूरी करके पहला स्थान हासिल किया। वहीं 21, 10 व 5 किलोमीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतना रामस्वरूप कुकणा के लिए बाएं हाथ का खेल बन चुका है। बुजुर्ग के हौसले बुलंद देखकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गोल्ड मेडलिस्ट को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त बेंगलुरु, दिल्ली, लखनऊ, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, देहरादून आदि राज्यों में अपनी प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर 70 से ज्यादा गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। हालांकि हसंगा गांव के इस बुजुर्ग ने पूरी जवानी को किसानी में लगा दिया,मगर बुढ़ापे में गांव स्तर पर गत 5 वर्ष पहले हुई मनोरंजनदायक दौड़ प्रतियोगिता में कंसे गए कटाक्ष भरे व्यंग्य के बाद चुभती हुई बात सुनकर 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा की पूरी जिंदगी बदल गई और देशभर में प्रतिभावान एथलेटिक्स बन गए।

प्रतियोगिता में बदला नजरिया

ग्राम पंचायत हसंगा ने करीब 5 वर्ष पहले मनोरंजन दायक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया था। उपरोक्त प्रतियोगिता में बुजुर्गों की भी दौड़ शामिल की गई थी, जिसमें रामस्वरूप कुकणा ने 70 वर्ष की आयु वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित की थी और जब दौड़ रहे थे तो अचानक जमीन पर जा गिरे। मगर इसी दौरान प्रतिभागी ने रामस्वरूप को चुभती हुई बात कह दी। उसी दिन से ही खेती-बाड़ी को छोड़कर एथलीट खेलों में अपना जीवन समर्पित कर दिया और तब से लेकर आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। क्योंकि 100 मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले रामस्वरूप कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे हैं। इसलिए बुढ़ापे की दहलीज पर जाकर नाम रोशन कर रहे हैं।

बुजुर्ग खिलाड़ी पर गर्व

सरपंच हसंगा के सरपंच वकील सहारण व पूर्व सरपंच सुरेंद्र लांबा ने बताया कि रामस्वरूप कुकणा देशभर में दूर- दराज जाकर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा का डंका दूसरे राज्य में बजा रहा है। इससे हमारी संपूर्ण पंचायत एवं ग्रामवासी गर्व महसूस करते हैं। एथलेटिक्स ने उम्र के आखिरी पड़ाव में भी दौड़ लगाकर शारीरिक रूप से मजबूत कर लिया है। क्योंकि महाराष्ट्र, बैंगलोर, दिल्ली, लखनऊ जैसे राज्य में एथलीट प्रतियोगिता में प्रथम नंबर पर आना अपने आप में रामस्वरूप कुकणा की उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक बहुत बड़ी मिसाल है।

इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ संस्कृति को बढ़ा रहे सुमित

◆ नौकरी से ज्यादा लोक गायकी में बेहतर करियर ◆ हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद आदर्श रहे ◆ लोककला और लोक गीतों की स्थिति दयनीय

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी लोक कला एवं संस्कृति में रची बसी सांग और रागनियों की गूंज सात समंदर पार तक सुनाई देती है। इसका श्रेय सूबे के लोक कलाकारों को है, जिसमें हरियाणवी लोक संस्कृति की अलख जगाने के लिए अलग विधाओं में हरियाणा को पहचान दी है। ऐसे ही लोक कलाकारों में हिसार के सुमित सातरोड ऐसे रागनी गायक हैं, जिन्होंने सामाजिक, आध्यात्मिक, वीर रस की गाथाओं की विधाओं में अपनी अलग पहचान बनाई है। वहीं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को रागनी गायन के जरिये समाज के सामने परोसते हैं। सुमित ने समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए इंजीनियर की नौकरी को त्यागकर रागनी गायन शैली को अपनाया है। लोक कला के क्षेत्र में गायन शैली के दो दशक से ज्यादा के सफर को लेकर बुलंदियां छूते सुमित सातरोड ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, कि लोक कला के जरिए समाज में फैली कुरितियों को दूर करके सामाजिक समरसता की अलख जगाई जा सकती है।

लोक गायक सुमित सातरोड का जन्म 01 जनवरी 1974 को हिसार में गांव सातरोड में एक सामान्य परिवार में शिवकुमार शर्मा व संतोष देवी के घर में हुआ। जब वह तेरह साल के थे तो 1987 में उनके पिता का निधन हो गया था, जो एक सरकारी नौकरी में थे। पिता के निधन से पूर्व हमारी माता को नौकरी मिली, जिन्होंने हमारे लालन पालन और पढ़ाई का पूरा ध्यान रखा और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग भी कराई। बकौल सुमित उन्हें बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था, परंतु परिवार में किसी प्रकार का कोई संगीत या कला का माहौल नहीं था और परिवार में उनके अलावा किसी अन्य सदस्य की इस क्षेत्र रुचि थी। सुमित को बचपन से नृत्य का अधिक शौक रहा। उनके गांव में हर छह महीने में गायन के लिए सुप्रसिद्ध लोकगायक मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल आते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद जब अपने गांव में मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल का गाना सुना, तो उन्हें पहली बार यह अहसास हुआ कि इस लोक गायकी से अच्छा कुछ नहीं है और तभी से उन्होंने भी अपना सारा ध्यान इसी लोक गायन संस्कृति पर केंद्रित करना शुरू कर दिया। उनके गायन शैली की शुरुआत साल 2000 भजन से की, जिसके बाद इतिहास और गाथाओं से जुड़े किस्सों पर रागनी गायन शुरू किया। हालांकि इसके लिए उन्हें घर परिवार और अपने संघी साथियों के विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान केंद्रित रखा और अपनी राह पर आगे बढ़ता रहा। वैसे भी हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद मुख्य रूप से उनका आदर्श रहे, वहीं लोक गायन शैली में पं. लखमी के शिष्य पंडित मांगेराम और शहीद कवि जाट मेहर सिंह की गायन शैली से भी वह बहुत प्रभावित हैं। लोक संस्कृति पर उनकी रागनी गायकी का फोकस रहा है। उनकी गायन शैली में आध्यात्मिक व सामाजिक शास्त्र और श्रृंगार रस का समावेश भी रहा है।

सम्मान व पुरस्कार

रागनी गायक शैली के लोक कलाकार सुमित सातरोड ने विभिन्न विधाओं में अपनी कला के हुनर से हरियाणा ही नहीं, देश के कई राज्यों में सांस्कृतिक मंचों पर सम्मान पाया है। इसमें बाबा रामदेव की बायोपिक में गौ माता के भजन के ही करीब 15 सांस्कृतिक रत्न के रुप में पतंजलि योगपीठ से सांस्कृतिक अवार्ड शामिल हैं। इसके अलावा रागनी प्रतियोगिताओं और गांवों के मंच पर सैकड़ो पुरस्कार सम्मान उनके नाम दर्ज हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव चिंतनीय

आज के इस आधुनिक युग में लोककला और लोक गीतों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। आज के इस सोशल मीडिया युग में हमारे मूल गीतों को दबाया जा रहा है, क्योंकि नाबालिग बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन है और वह इस आकर्षण में फंसते जा रहे हैं। बच्चों का हमारी मूल संस्कृति के प्रति कम रुझान है। लोक गायक सुमित सातरोड ने सामाजिक, अध्यात्म और लोक संस्कृति को अपनी कला से आगे बढ़ाने के लिए दस साल की इंजीनियरिंग की नौकरी को छोड़ दिया था। उनका कहना है कि नौकरी से ज्यादा अच्छा लोक गायकी के क्षेत्र में बेहतर करियर दिखा। सुमित का कहना है कि हरियाणा में पहले पहले नाट्य स्वांग का प्रचलन शुरू हुआ था, इसके बाद फिर सन 1920 के आसपास पंडित लखमी चंद ने रागनी गायन के दौर की शुरुआत की, जिसमें इसमें मटका, बेंजो, हारमोनियम सब बजाए जाते हैं।

खबर संक्षेप

संत कबीर दास जयंती धूमधाम से मनाई

रोहतक। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा माधव कुंज हुडा कांप्लेक्स में संत कबीर दास जयंती मनाई गई। सभी ने संत कबीर के चित्र पर फूल माला अर्पण कर उनको नमन किया। समिति के उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कहा कि कबीर दास हिंदी साहित्य के निर्गुण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि थे।

शिल्पकला की बारीकियों की जानकारी दी

रोहतक। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में शिक्षा विभाग तथा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान स्कूल स्तरीय ग्रीष्मकालीन शिविर टाबर उत्सव जारी है। शनिवार को कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग (मूर्तिकला) के अधिकारी हृदय कौशल पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों को शिल्पकला की बारीकियों के बारे में समझाया व इसमें रोज़गार के अवसरों के बारे में भी बताया।

पुलिस ने अमन को नजरबंद किया

रोहतक। हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अमन वशिष्ठ को पुलिस ने फिर नजरबन्द कर दिया। गौरतलब है कि वशिष्ठ ने गत नवम्बर में कहा था कि जब भी हरियाणा प्रदेश के मुख्यमन्त्री रोहतक में आएंगे वे उनके सामने प्रदेश के बेरोजगार युवाओं व सरकारी कर्मचारियों की आवाज उठाएंगे, जिसके कारण जब भी मुख्यमंत्री रोहतक में आते हैं, उनके आने से पहले ही वशिष्ठ को पुलिस द्वारा हिरासत में ले लिया जाता है।

योग करने से शरीर रहता है स्वस्थ

रोहतक। नवयोग संस्था द्वारा सूर्या कॉलोनी शास्त्री नगर शिव मंदिर के पास चल रहे योग शिविर में लोगों को योगाभ्यास करवाया गया। जसबीर शास्त्री ने बताया कि शीतली, सीतकारी, चंद्रभेदी, भ्रामरी प्राणायाम और योग निद्रा के द्वारा मन को शांत करते हैं एवं बुद्धि का विकास प्रबल होता है। पूर्व पार्षद ने कहा कि योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है।

आईटीआई में दाखिलों के लिए छात्र 25 जून तक आवेदन कर सकते हैं

राजलू गढ़ी आईटीआई में 244 सीटों के लिए आए आवेदन

आईटीआई डिप्लोमा धारक छात्रों को वर्क वीजा पर विदेश भेजने में राज्य सरकार करेगी सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राजलू गढ़ी के वर्ग अनुदेशक इंचार्ज अशोक कुमार ने बताया कि निदेशालय द्वारा आईटीआई में दाखिलों के लिए छात्र 25 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इसके पश्चात निदेशालय द्वारा शेड्यूल के अनुसार मेरिट लिस्ट जारी कर दी जाएगी। डिप्लोमा धारक छात्रों को वर्क वीजा पर विदेश भेजने में राज्य सरकार सहायता करेगी। आईटीआई करने वाले युवाओं को कौशल के अनुसार विदेशों में भी नौकरियां प्राप्त करने में अब सरकार उनकी सहायता करेगी। इसके लिए विदेशी एर्जेसियों की मदद ली जा जाएगी साथ ही युवाओं को ट्रेनिंग के बाद उनका टेस्ट लेकर उन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। विद्यार्थियों को आईटीआई में डिप्लोमा करना होगा इसके बाद सरकार उस विद्यार्थी को विदेश में नौकरी दिलाने के लिए पहल करेगी। इंचार्ज अशोक कुमार ने बताया कि इसकी जानकारी अब संस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को भी दी जा रही है। वर्क वीजा पर विद्यार्थी विदेश में जा सकेंगे। इसको बनवाने में खर्च लगता है इस पूरे खर्च को राज्य सरकार की ओर से वहन किया जाएगा ताकि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी भी विदेश जाकर अपना सपना पूरा कर सकें। आईटीआई से एक और दो वर्षीय डिप्लोमा विभिन्न ट्रेड में कराए जाते हैं इसकी जानकारी संस्थानों की ओर से दाखिला लेने के लिए आने वाले युवाओं को दी जा रही है जिससे इस योजना का लाभ अधिक से अधिक विद्यार्थी उठा सकें आईटीआई प्रबंधन को नए सत्र में योजना के शुरू होने की आस है। 244 सीटों पर विभिन्न ट्रेडों में होने वाले दाखिले के लिए अब तक राजलू गढ़ी प्रशिक्षण संस्थान में 420 अभ्यार्थियों द्वारा आवेदन किया जा चुके हैं।

आईटीआई करने के बाद मिल जाती है नौकरी

इंचार्ज अशोक कुमार ने बताया कि आईटीआई राजलू गढ़ी में प्लेसमेंट सेल बनाई गई है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी के डिप्लोमा करने के पश्चात उसे आसपास की कंपनियों में नौकरी पर अथवा अप्रेंटिसशिप पर लगवा दिया जाता है।

दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली के तहत दिलवाया जाएगा प्रशिक्षण

आईटीआई राजलू गढ़ी में पहले से ही फिटर व्यवसाय के छात्रों को दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली के तहत प्रशिक्षण दिलवाया जा रहा है। इंचार्ज अशोक कुमार ने बताया कि जिसमें विद्यार्थी प्रैक्टिकल प्रशिक्षण संबंधित कंपनी में जाकर पूर्ण करते है तथा थ्योरी का प्रशिक्षण संस्थान स्तर पर पूरा करवाया जाता हैं, अब दो और नए व्यवसाययों रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनर व वेल्डर के विद्यार्थियों को भी दोहरी प्रशिक्षण प्रणाली के तहत प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा जिससे संबंधित कंपनियों की भी जरूरत पूर्ण होती है तथा विद्यार्थियों को रोजगार मिलने के अवसर बढ़ जाते हैं।

लायंस क्लब के नवनियुक्त प्रधान का किया स्वागत

गन्नौर। क्लब के प्रधान अंकित मल्होत्रा, सचिन मीनू हांडा, कोषाध्यक्ष रेशल वाधवा का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- सचिव मीनू हांडा, कोषाध्यक्ष रेशल वाधवा व परियोजना अध्यक्ष शालू वाधवा को चुना गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

लायंस क्लब गनौर गौरव की बैठक क्लब की अध्यक्षा चारु चांदना की अध्यक्षता में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से 2024 -25 के लिए क्लब की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। जिसमें प्रधान अंकित मल्होत्रा, सचिव मीनू हांडा, कोषाध्यक्ष रेशल वाधवा व परियोजना अध्यक्ष शालू वाधवा को चुना गया। उप प्रधान के लिए नीरज जग्या तथा भावना जग्या का नाम पारित किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रधान अंकित मल्होत्रा ने आने वाले वर्ष में रक्तदान शिविर, आई चेकअप कैंप, सर्दियों में जुते, जर्सी,कंबल वितरण , वृक्षारोपण , स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविर तथा और भी कई सेवा कार्यों की सूची क्लब सदस्यों के समक्ष रखी। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि लायंस क्लब गन्नौर गौरव जरूरतमंदों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेगा। क्लब के नवनियुक्त प्रधान अंकित मल्होत्रा ने कहा कि क्लब द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है वह मेहनत लग्न से क्लब के लिए कार्य करेंगे।

तैराकी प्रतियोगिता में जीते 38 स्वर्ण, बने ओवरआल चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ओपन जिला तैराकी प्रतियोगिता में ब्राइट स्कॉलर स्कूल के छात्रों ने 38 स्वर्ण पदक, 23 रजत व 16 कांस्य पदक जीत कर ओवरऑल चैंपियन बना है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन ऋषिहुड यूनिवर्सिटी में 20 व 21 जून 2024 को किया गया। जिसमें अनेक प्रतिभागियों की टीम ने भाग लिया। अगस्त्या भनवाला, ईराज सेहरावत, काव्य शर्मा, अयान्वीर खत्री को अनेक पदक जीतने की बदौलत बैस्ट तैराक के खिताब से नवाजा गया। उदयन्त ढाका व सायरा को यंगेस्ट तैराक का खिताब मिला। इनके अलावा अनव मलिक, दक्ष राठी, येद्धान्त शर्मा, याशिका सेहरावत, अन्वी, अनहद करणवीर, वीर ठाकरान, वीर, तेजस, शुभम, गौरव, श्रेया दहिया, भूमि दहिया, सिमरन, दक्ष खत्री पदक जीते। बेहतरीन व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बदौलत ब्राइट स्कॉलर स्कूल को ओवरआल चैंपियन खिताब से नवाजा गया।

सोनीपत। विजेता खिलाड़ी ओवरऑल ट्राफी दिखाते हुए।

सेक्टर 12 में लगाए 11 पौधों की करेंगे सुरक्षा

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन के द्वारा सेक्टर 12 के पार्कों में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि समाज सेवी स्टेट अवॉर्डी हिंदी प्रवक्ता दिलबाग सिंह ने पौधा लगाकर अभियान को शुरू किया। उन्होंने कहा कि पेड़ों के बिना धरती जीवन संभव नहीं, पेड़ धरती का श्रृंगार है। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज की मुहिम में फलदार व छायादार 11 पौधे लगाए। इस अवसर पर सूरजभान भारद्वाज, पूर्ण सिंह प्राध्यापक, रंधावा मान, प्रोफेसर देव कंबोज, गीता हिंदी अध्यापिका, लक्ष्मी देवी, सोनू उपस्थित रहे।

सीएम ने डॉ. राममेहर राठी को भाजपा में शामिल करवाया

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने डॉ. राममेहर राठी को भाजपा में शामिल करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जेजेपी बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राममेहर राठी को भाजपा में शामिल करवाया ।डॉ. राठी ने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि वे सदैव ईमानइारी एवं निष्ठा से काम करते हुए पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने का काम करेंगे। जिला सोनीपत के गांव धनाना निवासी डॉ. राममेहर राठी पूर्व में जजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रहे हैं। राजनीति में उनका करीब 25 साल का कॅरियर रहा है। हाल ही में डॉ. राममेहर राठी ने जेजेपी को अलविदा कह दिया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री ने सोनीपत में उनको भाजपा में शामिल किया। डॉ. राममेहर राठी ने मुख्यमंत्री को भगवान राम और माता सीता का चित्र भेंट किया।

23 जीओएच 2 में-मुख्यमंत्री को भगवान राम और माता सीता का चित्र भेंट करते हुए डॉ. राममेहर राठी।

जमीन दिखाकर 5 लाख की धोखाधड़ी, केस दर्ज

- पीपली खेड़ा गांव के पास जमीन दिखाकर किसान सहित 3 युवको ने किया एग्रीमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव पीपली खेड़ा के पास जमीन दिखाकर बयाने के रूप में 5 लाख की धोखाधड़ी करने के आरोप में खेड़ी मारकंडा कुरुक्षेत्र के प्रॉपर्टी डीलर ने किसान सहित तीन के खिलाफ पुलिस में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाते हुए बनने के रूप में दिए 5 ल'ख रुपए दिलाने की मांग की। बड़ी औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने शिकायत के बाद मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में भगवान नगर कालोनी पिपली, कुरूक्षेत्र के सुशील कुमार प्रॉपर्टी डीलर ने बताया कि 6 मई को मेरे पास मोबाइल नंबर 8375067230 से दीपक नाम के युवक का फोन आया और उसने कुरुक्षेत्र में दो प्लॉट लेने के लिए रेट पूछे। उसके तीन दिन बाद दीपक अपने एक साथी के साथ मेरे पास आया और प्लॉट देखकर चला गया। उसके दो दिन बाद दीपक दो युवको को साथ लेकर आया और उन्हें भी दो प्लॉट दिखाएं। शिकायत में बताया कि दीपक को जब प्लाट दिखा रहा था तो मोबाईल नम्बर 7500186377 से मेरे मोबाईल पर विजय तिवारी नाम के युवक का फोन आया और मुरथल के पास जमीन खरीदने के लिए कहते हुए अपना करीब डेढ़ करोड़ का बजट बताया। इस दौरान मैंने मेरे पास आए दीपक की विजय तिवारी से बात करवाई। दीपक ने विजय तिवारी को मुरथल टोल के पास 2 एकड़ जमीन दिखाने की कही। विजय तिवारी का फिर दोबारा से फोन आया और दो एकड़ जमीन दिखाने की बात कहते हुए कहा कि मैं अजय अग्रवाल की केमिकल फैक्ट्री में नौकरी करता हूं और मैंने अपने मालिक के लिए यह जमीन लेनी है। वो 2 एकड़ जमीन दिखा दो। उसके बाद मैने विजय तिवारी को दीपक का मोबाइल नम्बर दिया और कहा की दीपक जमीन दिखा देगा। अगले दिन दीपक का फोन आया और उसने कहा कि वह जमीन तिवारी को दिखाने के बाद उसे पसंद आ गई है, तुम मुरथल टोल प्लाजा के पास आ जाओ और किसान को बयान दे देंगे। शिकायत में बताया कि 1 जून को सुबह 10 बजे मुरथल टोल पर पहुच गया, वहां दीपक व विजय तिवारी चाय पी रहे थे। विजय तिवारी व दीपक ने कहा कि हम दोनो पार्टी क्रेता और विक्रेता को आमने सामने नहीं होने देगे और हम मिलकर किसान को अपनी तरफ से कच्चा ब्याना दे देंगे, बीच का मारजन हम रख लेंगे। उसके बाद मुझे दीपक व विजय तिवारी पिपली खेड़ा रोड़ पर सोनू नाम के किसान के दफ्तर पर ले गये जहां मुझसे 5 लाख रुपये तथा विजय तिवारी ने 12.5 लाख रुपये व दीपक ने 2.5 लाख रुपये इकट्ठा करके कुल 20 लाख रुपये सोनू नाम के व्यक्ति को ब्याना के रूप दे दिया तथा उसी समय विजय तिवारी एक कच्चा ब्याना लिखवाकर ले आया।

यह है आरोप

आरोप है कि उन्होंने किसान सोनू के पिता धर्मपाल के नाम जमीन बतला कर हस्ताक्षर करा दिए तथा गवाह के तौर पर दीपक व गौरव नाम के लड़के ने अपने अपने हस्ताक्षर करा दिए। कच्चे ब्याने को विजय तिवारी अपने साथ ले जाने लगा तो मैंने मना किया और उसके बाद भी ब्याना रसीद को देने मे आनाकानी करते हुए बहाने को खुद ले गया। सी दिन रात को तिवारी ने मुझे फोन किया कि मेरा मालिक मान नही रहा है आप पक्का ब्याना कराओ और इसमे कुछ और पेमेंट भी आपको देनी पड़ेगी, कुछ पेमेट हम लगा लेगे। मैने विजय तिवारी व दीपक को उसी समय फोन पर कहा कि आप दोनो कल टोल पर सुबह 11 बजे आ जाओ मेरे पास और पैसे नही है तथा हम अपना दिया हुआ ब्याना वापस लेगे। अगले दिन मुरथल टोल पर आकर दीपक व विजय तिवारी का काफी देर तक इंतजार किया और दोनो को फोन भी किया दोनों बहाना बनाकर नहीं आए और मेरे फोन भी उठाने बंद कर दिए। मुझे शक हुआ कि मेरे साथ धोखा हुआ है जो जमीन मालिक सोनू, दीपक व विजय तिवारी तीनो एक साथ मिले हुए है तथा तीनो ने षड़यत्र रचकर व मुझे बहकाकर मुझसे 5 लाख रुपये धोखाधड़ी करके ठग लिए हैं।

जीवन को खुशहाल बनाना है तो छायादार पौधे लगाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

बढ़ती गर्मी को देखते हुए युवाओं की टीम ने 200 पौधे रोपित किए। इसमें ककरोई चौक से लेकर रवि धर्म कांटे पर 40 पौधे और कालूपुर पार्क 58 पौधे और रॉयल गार्डन के सामने ग्रीन बेल्ट 50 पौधे शामिल हैं। स्थानीय युवाओं की टीम ने दो दिनों में ये पौधे रोपित किए। इस दौरान टीम के सदस्य अंकित ने बताया कि सभी पौधों की जिओ टैगिंग की गई और ऑनलाइन डाटा अपडेट किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पौधारोपण अभियान में स्थानीय दुकानदारों ने भी पूरा सहयोग किया।

टीम के अन्य सदस्यों ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे जरूरी हैं। ये हमें जीवन के लिए आक्सीजन, खाने के लिए फल और गर्मी में छांव देते हैं। धरा को हरा-भरा करने एवं जीवन को बचाने के लिए सबको पौधारोपण का संकल्प लेने की जरूरत है। पौधरोपण सबकी जिम्मेदारी है। हम सबको अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। पर्यावरण स्वच्छ है तभी जीवन स्वस्थ्य है। पौधे जब बड़े होते हैं तो यह हमें फल, फूल व छाया सहित जीवन जीने के लिए आक्सीजन देते हैं। पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। पर्यावरण संरक्षण का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है। हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों का लाभ हमें मिल रहा है। हमारे आस-पास हरियाली दिख रही है। इस कर्तव्य को पूरा करने का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है। पर्यावरण को बचाना सबकी जिम्मेदारी हैटीम के सदस्यों ने नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन, अमरूद, बेलगिरी के पेड़ लगाए गए। पौधरोपण के दोरान सभी ग्रुप के सदस्यों ने लोगो से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने आस-पास ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं।

सोनीपत। पौधारोपण करते हुए युवा। फोटो : हरिभूमि

सरसों और गेहूं से भरी बोरी चुराई

गोहाना। शहर में विष्णु नगर में घर में सेंध लगाकर सरसों और गेहूं से भरी बोरी चोरी कर ली गई। घटना के समय घर पर ताला लगा हुआ था। शहर थाना गोहाना की पुलिस को शिकायत दी गई। श्रीराम मलिक ने पुलिस को बताया कि उनका घर बाग के निकट है। वे दोपहर में ताला लगाकर किसी काम से गए थे। उसी समय दीवार को फांदकर चोर उनके घर में घुसा। सरसों और गेहूं से भरी बोरियों को दीवार के ऊपर से फेंका गया। इस दौरान कुछ गेहूं बिखर भी गए। आसपास में लगे सीसीटीवी की जांच की गई।

राजेंद्र लाहिड़ी के नाम से अंग्रेज थर-थर कांपते थे : दांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

पानीपत रोड पर गोहाना से सटे गांव गढ़ी उजाले खान की कश्यप चौपाल में रविवार को क्रांतिकारी राजेंद्र लाहिड़ी की 123वीं पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। महर्षि कश्यप समाज सभा के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में नागरिकों ने राजेंद्र लाहिड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित करके नमन किया।

मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा क्रांतिकारी राजेंद्र लाहिड़ी के नाम से अंग्रेज थर-थर कांपते थे। उन्हें काकोरी कांड का मुख्य साजिश रचयिता माना गया था। राजेंद्र लाहिड़ी का जन्म 23 जून 1901 को बंगाल के पाबना जिले के भडगा गांव में हुआ। काकोरी में डकैती के लिए ट्रेन को राजेंद्र लाहिडी ने ही चैन खींचकर रोका था। जयंती समारोह की अध्यक्षता कश्यप सभा के गोहाना अध्यक्ष ईश्वर सिंह कश्यप ने की। उन्होंने कहा कि खजाना लूट लिए जाने से अंग्रेज पूरी तरह बौखला गए और 10 जनवरी नवंबर 1925 को राजेंद्र लाहिड़ी को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया। पहले इन्हें 10 साल की सजा सुनाई गई बाद में इसे बढ़ाकर उम्र कैद में तब्दील कर दिया गया। अंग्रेजों में इनका खौफ ऐसा था कि उन्हें तय समय से दो दिन पहले ही फांसी दे दी गई। समारोह में राजपाल कश्यप, सुरेश कश्यप, ईश्वर सिंह, सुभाष, सुल्तान, मेहर सिंह, राजेश आदि रहे।

गोहाना। राजेंद्र सिंह लाहिड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

लाइनमैन ने सहकर्मी लाइनमैन व अन्य कर्मचारियों पर लगाए आरोप

खरखौदा। बिजली विभाग के एक लाइनमैन ने दूसरे लाइनमैन व विभाग के अन्य कर्मचारियों के खिलाफ डीसीपी को शिकायत दी है। सलीमसर माजरा निवासी राकेश ने बताया कि वह न्यूमैक कंपनी से संबद्ध है और बिजली विभाग में लाइनमैन का कार्य करता है। 11 मई को उसकी ड्यूटी झरोठ, झरोठी , कंवाली गांवों में थी। सुबह 11 बजे के करीब लाइनमैन मनजीत का उसके पास फोन आया कि खरखौदा के आठ नंबर ट्रेन पर लाइन खराब पड़ी है, उसे ठीक करना है। जब वह वहां पर पहुंचा तो लाइनमैन मनजीत ने कहा कि मैने पीछे से लाइन कटवा दी है। इस हादसे में उसकी रीढ़ की हड्डी, बाएं साइड की पसली, बाएं साइड का पैर टूट गया और दोनों हाथों की हथेलियां करंट लगने के कारण बुरी तरह झुलस गई हैं। उसे खरखौदा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

पशुपालक किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाएं

7% ब्याज दर पर बैंक द्वारा दिया जाएगा ऋण

पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को तीन लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को गाय, भैंस, भेड़, बकरी, सूअर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान है ताकि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्त्रोतों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने किसानों का आह्वान किया कि वे पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक एक लाख 60 हजार रुपए तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई जमीन गिरवी रखे व बिना किसी गारंटी के कोलैटरल सुरक्षा बनवा सकता है। यदि कोई पशुपालक इस राशि से अधिक लिमिट का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहता है तो उसे अपनी जमीन या कोई जमानत देना अनिवार्य होगा।

एक साल के बाद 12 प्रतिशत का ऋण

उपायुक्त ने बताया कि यदि किसी पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक द्वारा लिया गया ऋण एक साल की समय अवधि के दौरान वापिस जमा नहीं करवाया जाता है, तो उसे 12 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर से ऋण का भुगतान करना होगा। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को बाजार में प्रचलित अन्य किसी भी साधारण क्रेडिट, डेबिट कार्ड की भांति किसी भी एटीएम मशीन से राशि निकलवाने या बाजार से खरीदारी करने हेतु प्रमाणित लिमिट अनुसार प्रयोग कर सकता है। पशुओं की भिन्न-भिन्न श्रेणियों और वित्तीय पैमाने की अवधि के अनुसार ही पशुपालक को पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऋण दिया जाएगा। इच्छुक पशुपालक अपने नजदीकी राजकीय पशु चिकित्सालय या बैंक में जाकर पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन करने के लिए पशुपालक को अपने सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पशु का बीमा, पशु का हेल्थ सर्टिफिकेट आदि आवेदन पत्र सहित बैंक में जमा करवाना होगा।

केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से करना होगा भुगतान

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड धारक को सालाना 7 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर बैंक द्वारा ऋण दिया जायेगा। यदि कार्डधारक अपने ऋण का समय पर भुगतान करता है तो उसे केंद्र सरकार की तरफ से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा तथा उस पशुपालक को यह ऋण केवल 4 प्रतिशत के हिसाब से चुकाना होगा। उन्होंने बताया कि 7 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से अधिकतम 3 लाख रुपये तक की ऋण राशि पर केंद्र सरकार की ओर से 3 प्रतिशत ब्याज दर का अनुदान दिया जायेगा। कार्डधारक द्वारा ऋण की राशि जरूरत के अनुसार समय-समय पर ली जा सकती है और सुविधा अनुसार जमा करवाई जा सकती है। कार्ड धारक को ऋण राशि निकलवाने या खर्च करने के एक साल की अवधि के अन्दर किसी भी एक दिन लिये गये ऋण की पूरी राशि को जमा करवाना अनिवार्य ताकि साल में एक बार ऋण की मात्रा शून्य हो जाए।

खबर संक्षेप

249 ने सेना के लिए किया रक्तदान

सोनीपत। नैना तातारपुर में मां भारती रक्तवाहिनी के सहयोग से गांव के सरकारी स्कूल में भारतीय सेना के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 249 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। यह शिविर संस्था का 170 वां व सेना के लिए 40वां रक्तदान शिविर था। शिविर में समस्त गांव नैना तातारपुर के सभी युवा व मां भारती रक्तवाहिनी की 25 सदस्यी कार्यकरिणी मौजूद रही, जिन्होंने मिलकर रक्तदान शिविर की व्यवस्थाओं को संभाला।

खेत से ट्यूबवेल पर लगी मोटर चोरी

गोहाना। गांव बरोदा से एक किसान के खेत में ट्यूबवेल पर लगी मोटर चोरी कर ली गई। उसकी शिकायत पर बरोदा थाना में मामला दर्ज किया गया। वीरेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह खेती करता है। उसने खेत में सिंचाई के लिए ट्यूबवेल रखा है। ट्यूबवेल पर सोलर प्लांट से चलने वाली मोटर लगाई गई थी। शुक्रवार रात को मोटर चोरी कर ली गई। वह अगले दिन खेत में गया तो चोरी का पता चला। गांव कटवाल से किसान सतीश के खेत से भी सोलर प्लांट पर लगाई गई मोटर चोरी कर ली गई। उसके खेत कटवाल से मोई हुड्डा रोड के साथ में हैं। यहां से मोटर चोरी की गई।

गोहाना में बिजली लाइन का सामान चुराया, केस

गोहाना। गांव मुंडलाना में अडानी कंपनी के लिए बिछाई जा रही बिजली की लाइन से सामान चोरी कर लिया गया। ठेकेदार की शिकायत पर सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। हरिओम ने पुलिस को बताया कि वे अडानी कंपनी में 33 केवी की बिजली लाइन का काम कर रहे हैं। उनको 132 केवी के बिजलीघर के पास सामान रखा हुआ है। शनिवार को वह साइट पर चक्कर लगाने गया था। वहां से लोहे का लगभग पांच टन का टावर का सामान चोरी कर लिया गया।

भाजपा में विधायक समेत 6 उम्मीदवार कर रहे हैं तैयारी, कांग्रेस के 5 उम्मीदवार मैदान में

राई में मेहनत कर रहे नेता, लोगों के सामने खुद को प्रोजेक्ट कर रहे हैं मजबूत दावेदार

- राई हलके में लोकसभा में दिया था भाजपा का साथ, विस में कांग्रेस की क्या बनेगी बात

विनोद राठी ▶▶| राई

लोकसभा चुनाव होने के बाद नवनियुक्त सांसद जनसभा के कार्यक्रमों से मतदाताओं का आभार जताने लगे है इसके साथ ही जनसभाओं व कार्यक्रम में पूर्व मुख्यंत्री मनोहरलाल लाल व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा कार्यकताअरं से विधानसभा चुनाव के लिए कमर कसने की अपील कर रहे है। कुल मिलाकर पार्टिया विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गई है। वहीं विधानसभा चुनाव के लिए राई हलके में टिकट के दावेदार अपनी दावेदारी पेश करने के साथ मतदाताओं को अभी से विश्वास दिलाने में लग गए है कि इस बार टिकट की चिंता मत करो, तैयारी में जुट जाओं। भाजपा, कांग्रेस समेत इनेलो,जजपा, आप के नेता भी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुट गए है। भाजपा में विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत बड़े. नेताओं के शामिल होने का सिलसिला व कांग्रेस में कार्यकर्ता सम्मेलन करके विधानसभा चुनावों में पार्टी को मजबूती देने का काम किया जा रहा है। राई विधानसभा में भाजपा के पास लोकसभा चुनावों में बूथ से लेकर मंडलध्यक्ष, जिलाध्यक्ष नियुक्त है, वहीं कांग्रेस में हलकाध्यक्ष तक नियुक्त नही किया गया है। दूसरी ओर इनेलो, जजपा व आप को विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी नेताओं के आदेश का इंजतार है कि विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर पार्टी की तरफ कार्य करने का आदेश मिलेगा। भाजपा व कांग्रेस के कई नेता खुद को कैंडीडेट के तौर पर प्रोजेक्ट करने में जुटे हुए हैं। वे गांवों में जाकर मतदाताओं को अपने आप को सबसे मजबूत टिकट का दावेदार बता रहे है। राई विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी की बात करें तो नेता खुद को विधानसभा का प्रत्याशी साबित करने के लिये दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। जबकि दूसरी ओर कांग्रेस में भी टिकट के दावेदारों की लंबी लाईन है। कांग्रेस में मेहनत कर रहे है।

1967 से 2019 राई विधानसभा के पार्टी प्रत्याशी इतिहास

वर्ष	विजेता	निकटतम प्रतिद्धंदी
1967	रिजकराम (कांग्रेस)	बनवारी लाल (आजाद)
1968	जसवंत सिंह (कांग्रेस)	दलपत सिंह (आजाद)
1972	रिजकराम (कांग्रेस एस)	जसवंत सिंह (कांग्रेस)
1977	रिजकाम (जनता पार्टी)	जसवंत सिंह (कांग्रेस)
1982	जसवंत सिंह (कांग्रेस)	महासिंह (आजाद)
1987	महासिंह (लोकदल)	जसवंत सिंह (कांग्रेस)
1991	जयपाल (जनता पार्टी)	जसवंत सिंह (कांग्रेस)
1996	सूरजमल (समता पार्टी)	महेन्द्र (हविपा)
2000	सूरजमल (इनेलो)	सतपाल(कांग्रेस)
2005	रमेश कौशिक (कांग्रेस)	अजीत सिंह (इनेलो)
2009	जयतीर्थ (कांग्रेस)	इन्द्रजीत (इनेलो)
2014	जयतीर्थ (कांग्रेस)	इन्द्रजीत (इनेलो)
2019	मोहनलाल बड़ौली (भाजपा)	जयतीर्थ दहिया (कांग्रेस)

कांग्रेस में 5 नेता कर रहे टिकट की मांग

हलके में कांग्रेस पार्टी की टिकट के लिए लंबी लाईन लगी हुई है। सबसे ज्यादा प्रत्याशी कांग्रेस के मैदान में है। कांग्रेस के उम्मीदवारों में पूर्व विधायक जयतीर्थ दहिया के अलावा कांग्रेस में पूर्व विधायक स्वर्गीय सूरजमल आंतिल के बेटे बिजेन्द्र आंतिल, युवा नेता जसपाल आंतिल खेवड़ा, पूर्व सरपंच एवं एडवोकेट सजंय आतिल खेवड़ा, जयभगवान आंतिल भी शामिल हैं।

राई विधानसभा में भाजपा से 6 नेता खुद को टिकट का दावेदार प्रोजेक्ट करने में जुटे

विधायक मोहनलाल बड़ौली हाल में लोकसभा चुनाव में हार के बाद हलके में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में लग गए है। इसके बाद पूर्व मंत्री एवं हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड की पूर्व चेयरमैन कृष्णा गहलावत, भाजपा के युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नेता योगेश जठेड़ी, पूर्व मार्किट कमेटी के चेयरमैन कुलदीप नांगल, निगम पार्षद एवं भाजपा उपाध्यक्ष पुनीत राई भी विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुके हैं। वहीं पूर्व सांसद रमेश कौशिक के भाई भाजपा नेता देवेन्द्र कौशिक भी राई या गन्नौर विधानसभा से चुनाव जरूर लड़ेगे। कुल मिलाकर गन्नौर में भाजपा से 6 नेता चुनावों की तैयारी में लगे है।

राई हलके में हाल के लोकसभा चुनाव में 2081 मतों से लीड मिली थी

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में राई विधानसभा में भाजपा ने कांग्रेस 2081 मतों से पराजित किया। भाजपा को 2081 मतों की लीड मिली थी। राई विधानसमा से भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल बड़ौली को 64151 वोट व कांग्रेस के सतपाल ब्रहमचारी को 62070 वोट मिले थे। लोकसभा चुनावों में मिली 2081 मतों की लीड को देखते हुए भाजपा जहां मजबूत स्थिति में नजर आती है, वहीं कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक होने के चलते कांग्रेस भी मोर्चे पर मजबूत दिखाई देती है।

आम आदमी पार्टी में 4, जजपा में 2 दावेदार

आम आदमी पार्टी में चुनाव के लिए आप नेता मास्टर सतनारायण आंतिल चुनाव मैदान में है। इसके अलावा मास्टर जयभगवान, अनिल तुषीर, सिद्धार्थ रोहिल्ला भी टिकट के लिए तैयारी कर रहे है। जजपा में पूर्व प्रत्यशी अजीत आंतिल व जजपा नेता राजपाल सेवली सहित 2 नेता मैदान में है। इनेलो में अशोक कौशिक के अलावा जेपी रेवली, इनेलो नेता अर्जुन आंतिल भी पार्टी के लिए बेहतर कार्य कर रहे है। वहीं पिछली बार लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी से चुनाव लड़ने वाले राजकुमार शर्मा के बेटे प्रतिक शर्मा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भाग्य आजमा सकते हैं।

2019 में 2662 वोट से मोहनलाल बड़ौली जीते

- भारतीय जनता पार्टी के मोहनलाल बड़ौली को 45377 मत मिले

पिछली बार विधानसभा चुनाव में राई से भाजपा के मोहनलाल बड़ौली को 45377 मत मिलने के बाद 2662 वोट के मार्जन से जीत हासिल की थी। दूसरे नम्बर पर कांग्रेस के जयतीर्थ दहिया रहे थे, उन्हें 42,715 वोट मिले थे। तीसरे स्थान पर जजपा प्रत्याशी अजीत आंतिल को 17137 वोट मिले थे। बीएसपी प्रत्याशी परमजीत को 2890 व इनेलो के इन्द्रजीत दहिया को 637 वोट मिले थे। इसके अलावा लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी से प्रत्याशी राजकुमार शर्मा को 8422 वोट मिले थे। शर्मा चौथे स्थान पर रहे।

संत कबीर दास के दोहे आज भी प्रासंगिक : तरुण देवीदास

- कबीरपुर में मनाई गई संत शिरोमणि कबीर दास जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कबीरपुर स्थित विद्यालय में संत शिरोमणि कबीर दास जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला भाजपा प्रवक्ता तरुण देवीदास ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर संत कबीर भक्तों ने तरूण देवीदास का फूल मालाओं से स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में आए भक्त जनों को संबोधित करते हुए तरुण ने कहा कि संत कबीरदास ने समाज में व्याप्त पाखंड का विरोध करने के लिए तमाम दोहे लिखे, उनके दोहे

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा नेता तरुण देवीदास को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि आज भी मौका पड़ने पर लोग उसका उदाहरण देना नहीं भूलते हैं। उनकी वाणी को अमृत के समान माना जाता है जो लोगों को नया जीवन देने का काम करती है। कार्यक्रम के प्रसाद एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्याम लाल दीवान, सूरज कुमार, राजकुमार, बालमुकुंद महरा, सतबीर मेहरा, रामभज मेहरा, मोहन दीवान आदि मौजूद रहे।

जनमानस में रचे बसे हैं कबीरदास के दोहे : जैन

सोनीपत। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा है कि जब हम निराशा के दौर में होते हैं तो संत कबीर दास के दोहे हमारा मार्गदर्शन करते हैं, इसलिए वह जनमानस में रचे बसे हैं। संत कबीर दास ने सामान्य जीवन जीते हुए पूरी दुनिया को मानवता का संदेश दिया। राजीव जैन रविवार को संत कबीर के 657वें प्रकट दिवस के अवसर पर कबीरपुर, कबीर भवन बस स्टैंड रेलवे स्टेशन पर ई. रिक्शा यूनियन तथा बाबा भरतु शाह कबीर आश्रम में पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद श्रधालुओं को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर संत कबीर के संदेशों से ओत प्रोत शोभा यात्रा भी निकाली गई। उन्होंने कहा कि भारत संत महात्माओं की धरती है, कबीर जैसे संत सर्व समाज के लिए आदर्श हैं। इस अवसर पर श्यामलाल दीवान, सूरज कुमार, राजकुमार राजा, बालमुकंद मेहरा, सतबीर मेहरा, रामभज मेहरा, दीपक कुमार, धर्मवीर मेहरा, बलमत मेहरा, राजेश, संदीप नागर, चमन, सोनू, मोहन, सुनील, राधेश्याम, सुरेश, रामकरण, पवन सोलंकी, नवाब, अशोक इंदोरा, राजेश मेहरा, रविंद्र दिलावर, संजय बागड़ी, सतपाल बामनिया आदि उपस्थित रहे।

गर्भवती महिला व उसके पति को पीटा समय से पहले करानी पड़ी डिलीवरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

- पीजीआई रोहतक में समय से पहले करानी पड़ी डिलीवरी
- मां और बच्चे की हालात गंभीर

सिसाना गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने एक गर्भवती महिला व उसके पति को पीटकर घायल कर दिया। गर्भवती महिला की गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रोहतक में समय से पहले डिलीवरी करानी पड़ी।

जिसके कारण मां व बच्चे की हालात गंभीर बनी हुई है। सुमित ने बताया कि जब वह अपनी 7 माह की गर्भवती पत्नी सविता के साथ घर पर था तो उसके घर पर बिजेंद्र नशे की हालत में अपनी पत्नी व अपनी मां के साथ अंदर आ गया। उन्होंने आते ही रसोई से उनके बर्तन बाहर फेंकने शुरू कर दिए। बाद में उन्होंने उसके व उसकी गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद बिजेंद्र ने उसकी पत्नी के पेट में लात मार दी और बिजेंदर की पत्नी ने बाल पड़कर उसकी पत्नी को नीचे गिरा दिया। जिसके कारण उसकी पत्नी सविता को ब्लीडिंग होनी शुरू हो गई। उसे गंभीर अवस्था में पीजीआई रोहतक ले जाया गया। जहां समय से पहले डिलीवरी करानी पड़ी। मां व बच्चे की गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरु हरगोविंद को प्रकाश पर्व पर किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

छठी पातशाही और मीरी-पीरी के मालिक के नाम से प्रसिद्ध गुरु हरगोविंद को उनके प्रकाश पर्व पर नमन किया गया। प्रकाश पर्व कार्यक्रम शहर में वार्ड नंबर 8 में सत नगर स्थित गुरुद्वारा सचखंड में हुआ। अध्यक्षता गुरुद्वारे के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप खानिजो ने की। संचालन डॉ. सुरेश सेतिया और संयोजन कृष्ण दुरेजा ने किया। गुरुद्वारे के हेड ग्रंथी भाई गुरदीप सिंह और सुखमणि महिला समिति द्वारा सुखमणि साहिब जी का पावन पाठ किया गया। भाई गुरदीप सिंह ने कहा कि गुरु हरगोविंद ने 11 साल की उम्र में गुरु गद्दी संभाल ली थी। उन्होंने अमृतसर में अकाल तख्त की स्थापना की तथा मुगलों की कैद से उन द्वारा बंदी बनाए गए 52 भारतीय राजाओं को मुक्त करवाया। इस अवसर पर वेद प्रकाश सचदेवा, सरदार जोगेंद्र सिंह, गौरव तागड़ा, महेंद्र नारंग, अविनाश पोपली आदि भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

संत कबीर दास एक नहीं बल्कि समस्त समाज के थे संतः देवेंद्र कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव पांची जाटान, उद्देशीपुर व पुरखास में हर्षोल्लास से संत कबीर दास की जयंती मनाई गई। संत कबीर की जयंती पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में बतौर मुख्यातिथि के तौर पर देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी संस्थापक एवं मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स चेयरमैन देवेंद्र कादियान ने शिरकत की। यहां आयोजकों ने उनका फूलमाला व पगड़ी से स्वागत किया। कादियान ने संत कबीर दास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करने की सेवा दी है। मुख्यातिथि देवेंद्र कादियान ने कहा कि संत कबीर दास जी कोई एक समाज के संत नहीं थे। वह सभी समाजों के संत थे। उन्होंने समाज में व्याप्त भ्रांतियों और बुराइयों को दूर

गन्नौर। मन्नत ग्रुप ऑफ होटल्स चेयरमैन देवेंद्र कादियान को संत कबीर की तस्वीर भेट करते हुए कार्यक्रम के आयोजक। फोटो : हरिभूमि

करने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। लोगों में भक्ति भाव का बीज बोया। संत कबीर दास जी के दोहे जीवन जीने की सही राह दिखाते है। कादियान ने युवाओं से आह्वान किया कि वे खुद को शिक्षा व खेलोंसे जोड़ें। शिक्षा मनुष्य को ऊंचाईयों के शिखर पर लेकर जाती है और खेलों से शरीर तंदुरूस्त रहता है। एक अच्छा इंसा नही समाज को सही राह दिखा सकता है। कार्यक्रम समापन पर मुख्यातिथि देवेंद्र कादियान को आयोजकों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया है।

ये रहे मौजूद

पुरखास से पूर्व सरपंच उमेद, पीर्थी, आजाद सिंह, सतीश, राजेश, पांची जाटान से सुभाष, धर्मबीर, वेद प्रकाश, सिकंदर, जगमेंद्र, रोहताश, उद्देशीपुर से संदीप, बलराम, रामेश्वर, कपिल, राजकपूर, कृष्ण, प्रवीन, रामपाल, मोनू आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

- गंभीर हालत में गन्नौर के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया
- रोहतक पीजीआई रेफर किया

अगवानपुर रोड पर शनिवार की शाम को तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार चालक को टक्कर मार दी । टक्कर इतनी तेज थी कि उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए गन्नौर के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया , जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया ।

गन्नौर थाना पुलिस ने घायल के भाई की शिकायत पर गाड़ी की चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी । पुलिस को दी शिकायत में गांव अगवानपुर निवासी जयदीप ने बताया कि 22 जून को अपने गांव से गन्नौर पांची रोड़ पर किसी काम के लिए गया हुआ था। मेरा भाई दीपक अपनी मोटर साईकिल पर सवार होकर मुझे लेने के लिए पांची रोड़ गन्नौर आ रहा था जब वह मुझे लेकर रात 8:00 को मारो वाली गली के सामने पहुंचा तो सफेद रंग की कार का चालक बडी तेज स्पीड गफलत व लापरवाही से एकदम गली के अंदर से निकल आया । इस दौरान कार की टक्कर मेरे भाई दीपक की मोटर साईकिल से होने के कारण वह सड़क पर गिर गया और चोट लग गई। उपचार के लिए गन्नौर के निजी अस्पताल में लेकर गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया जहां उसका उपचार चल रहा है । पुलिस ने शिकायत के बाद कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी ।

खेत में पानी को लेकर कहासुनी में दी जान से मारने की धमकी

- पुरानी रंजिश के चलते हिमांशु ने दिया वारदात को अंजाम

गन्नौर। पुगथला गांव में खेत में पानी को लेकर हुई कहासुनी में रंजीश रखते हुए आरोपित ने अपने साथी के साथ मिलकर मारपीट के बाद जान से मारने की धमकी दी । मारपीट व धमकी देने के आरोप में खूबडू पुलिस चौकी ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है । पुलिस को दी शिकायत में गांव पुगथला के सुभाष ने बताया कि बीस दिन पहले खेत के पानी को लेकर मेरी हिमांशु के साथ कहा-सुनी हुई थी। शिकायत में बताया कि 22 जून की शाम को 7 बजे मैं अपने खेत से घर आ रहा था। जब मैं पुगथला के परशुराम चौक पर पहुंचा तो हैप्पी व हिमांशु ने डंडे व सरिया से मेरे साथ मारपीट व गाली गलौज की और जाते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए पुलिस ने शिकायत के बाद मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी ।

ऑपरेशन आक्रमण के तहत 21 पकड़े

सोनीपत। ऑप्रेशन आक्रमण अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग मामलों में 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान तीन अवैध पिस्तौल और चार कारतूस भी बरामद किए है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व में 93 पुलिस टीमों का गठन किया गया। इसमें 482 कर्मियों ने ऑपरेशन आक्रमण अभियान चलाया। इस दौरान टीमों ने विभिन्न मामलों में 21 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन अवैध पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए है। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने वाहनों की भी जांच की और चालकों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरूक किया। पुलिस उपायुक्त मनबीर सिंह ने कहा कि किसी अपराध की सूचना पर तुरंत सूचित करें।

जोगी धर्मशाला में हुई बैठक, गणमान्य लोगों ने रखे विचार

पिछड़ा वर्ग के लोगों ने की बैठक, अनदेखी पर रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

पिछड़ा वर्ग जिला सोनीपत के गणमान्य व्यक्तियों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन रोहतक रोड स्थित जोगी धर्मशाला में आयोजित किया गया। बैठक में जिला सोनीपत के पिछड़ा वर्ग के बुजुर्गों एवं नौजवानों ने भाग लिया। सभी ने अपने अपने विचार रखे। बैठक में पिछड़ा वर्ग के लोगों के अंदर वर्तमान सरकार के प्रति काफी रोष देखने को मिला।

सभी ने विचार विमर्श किया कि राजनैतिक दल पिछड़ा वर्ग के वोट बैंक के सहारे सत्ता हासिल करते हैं

सोनीपत। बैठक में उपस्थित पिछड़ा वर्ग के गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

और सत्ता हासिल करने के बाद पिछड़ा वर्ग की अनदेखी करते हैं, पूर्व की सरकारों की भांति भाजपा सरकार ने भी पिछड़ा वर्ग की अनदेखी करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। सरकारी विभागों में पिछड़ा वर्ग के लंबित पड़े प्रथम श्रेणी से चतुर्थ श्रेणी के पदों के बैकलॉग को आज तक पूरा नहीं किया, हरियाणा सरकार को चाहिए की इन पदों को जल्द से जल्द भरा जाए। वक्ताओं ने कहा कि हरियाणा सरकार को चाहिए कि पिछड़ा वर्ग का 27% आरक्षण स्थाई, अस्थाई एवं कौशल विकास निगम की सरकारी नौकरियों में पूर्ण रूप से लागू किया जाए और सभी पदों को भरा जाए। पिछड़ा वर्ग तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रमाण पत्र बनवाने में नॉन क्रीमीलेयर की शर्त को हटाया जाए। इस मौके पर अनिल ठाकुर, मनोज जांगड़ा, पवन स्वामी, चरण सिंह जोगी, नीरज सोनी, आजाद स्वामी, संजय रोहिल्ला, संजय कंकरवाल, योगराज स्वामी, राजेश वर्मा, विनोद बैरागी, दीपक बाजवान, डॉ सतीश सैनी, मास्टर पूर्ण सिंह, रमेश जांगड़ा हेडमास्टर, आजाद पांचाल सरपंच, दिलबाग सिंह पांचाल, सुरेंद्र कश्यप, जोगिंद्र प्रजापति, उमेद सिंह छतेहरा, ओमपाल सैनी आदि ने अपने अपने विचार रखे। पिछड़ा वर्ग की राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित कराने बारे भी विचार विमर्श किया गया। जल्द ही पिछड़ा वर्ग का जिला स्तरीय सम्मेलन करने बारे भी निर्णय लिया गया। इस मौके पर पिछड़ा वर्ग की सभी बिरादरियों के लोग उपस्थित रहे।